भारत सरकार

रेल मंत्रालय

लोक सभा

11.03.2026 के

अतारांकित प्रश्न सं. 3188 का उत्तर

दीन दयाल उपाध्याय नगर-चकिया/नौगढ़ के बीच रेल सेवा

3188. श्री छोटेलाल:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

दीन दयाल उपाध्याय नगर (जिसे पहले मुगलसराय के नाम से जाना जाता था) से भभुआ होते हुए चकिया, नौगढ़ और सोनभद्र तक नई रेलवे लाइन कब तक बिछाई जाएगी?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

सोनभद्र और भभुआ रोड (मोहनिया) स्टेशन मौजूदा रेल नेटवर्क से पंडित दीन दयाल उपाध्याय और चुनार के माध्यम से पहले से ही जुड़े हुए हैं।

नौगढ़ के रास्ते पंडित दीन दयाल उपाध्याय-भभुआ नई लाइन (57 कि.मी.) के लिए व्यवहार्यता अध्ययन किया गया था। कम यातायात अनुमानों के कारण परियोजना को शुरू नहीं किया जा सका।

किसी भी रेल परियोजना की स्वीकृति अनेक मापदंडों/कारकों पर निर्भर करती है, जिनमें निम्नलिखित शामिल हैं:

- **प्रत्याशित यातायात पूर्वानुमान और प्रस्तावित मार्ग की लाभप्रदता**
- **परियोजना द्वारा उपलब्ध कराई गई अंतिम छोर संपर्कता**
- **अनुपलब्ध कड़ियों को जोड़ना और अतिरिक्त मार्ग उपलब्ध कराना**
- **संकुलित/संतृप्त लाइनों का संवर्धन**

- **राज्य सरकारों/केंद्रीय मंत्रालयों/जनप्रतिनिधियों द्वारा की गईं मांगें**
- **रेलवे की अपनी परिचालनिक आवश्यकताएँ**
- **सामाजिक-आर्थिक महत्व**
- **धन की समग्र उपलब्धता**

रेल परियोजना/परियोजनाओं का पूरा होना कई कारकों पर निर्भर करता है, जिनमें निम्नलिखित शामिल हैं:

- **भूमि अधिग्रहण**
- **वानिकी स्वीकृति**
- **अतिलंघनकारी जनोपयोगी सेवाओं का स्थानांतरण**
- **विभिन्न प्राधिकरणों से सांविधिक स्वीकृतियाँ**
- **क्षेत्र की भूवैज्ञानिक और स्थलाकृतिक परिस्थितियाँ**
- **परियोजना स्थल के क्षेत्र में कानून एवं व्यवस्था की स्थिति**
- **परियोजना स्थल विशेष के लिए एक वर्ष में कार्य करने के महीनों की संख्या आदि।**

ये सभी कारक परियोजना/परियोजनाओं के समापन समय और लागत को प्रभावित करते हैं।

****